● **पढ़ो, समझो और दोहराओ :**

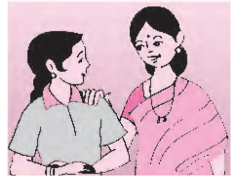

१०. उलझन

रमा कई दिनों से परेशान-सी लग रही थी । माँ से उसकी यह उलझन छिपी नहीं थी । रात में रमा खाना खाकर पढ़ने की बजाय अपने पलंग पर लेटी छत देख रही थी । बेटी के पास बैठते हुए माँ ने पूछा, ''बेटा, कई दिनों से देख रही हूँ कि तुम कुछ परेशान हो । क्या बात है ?''

''माँ, हम लोग परीक्षा के बाद हमेशा कहीं-न-कहीं घूमने जाते हैं। उसमें बहुत पैसा खर्च होता है न ! कितना होता होगा ?'' हिचकते हुए रमा ने पूछा । माँ के अधरों पर मुसकान तैर गई, ''तो तुम खर्च को लेकर परेशान हो ?'' रमा बोली, ''नहीं माँ, हम लोग इस बार अगर कहीं न जाएँ तो क्या वह पैसा मुझे मिल सकता है ?'' ''तुम्हें इतने पैसों की क्या जरूरत आ पड़ी ?'' माँ की आवाज में आश्चर्य था । ''माँ, सुलक्षणा की माँ की तबीयत ठीक नहीं है । डॉक्टर ने ऑपरेशन के लिए कहा है । आपको मालूम है कि बड़ा परिवार होने के कारण उनका खर्च पूरा नहीं पड़ता । गरीबी के कारण वे इलाज नहीं करा सकते । मैं सोच रही थी कि ये पैसे उनके काम आ जाएँगे ।'' रमा बोली ।

माँ ने कहा, ''बहुत सारे डॉक्टर पापा के मित्र हैं । तुम कल ही सुलक्षणा से कहना कि वह अपनी माँ को लेकर आ जाए । उनका इलाज हम लोग करवाएँगे ।'' ''सच माँ, तुम कितनी अच्छी हो !'' रमा की आँखों में खुशी छलक उठी थी । रमा के माथे को चूमती हुई माँ बोलीं, ''मेरी बेटी सबसे अच्छी है क्योंकि उसका दिल दूसरों की तकलीफ से दुखी होता है ।'' सुनकर रमा का मन खिल उठा ।

– नीलम राकेश

सही (√) या गलत (×) चिह्न लगाओ और मोटे अक्षरों में छपे क्रिया के काल को समझो :

१. रमा कई दिनों से परेशान **थी** । ( )
२. पापा का कोई भी मित्र डॉक्टर नहीं **है** । ( )
३. उनका इलाज हम लोग नहीं **करवाएँगे** । ( )
४. उसका दिल दूसरों की तकलीफ से दुखी **होता है** । ( )

K99UI5

❑ विद्‌यार्थियों को कहानी सुनाएँ और क्रमशः दो-दो पंक्तियों का वाचन करके दोहरवाएँ । विद्‌यार्थियों से छोटे परिवार के महत्त्व पर चर्चा करें । वर्तमानकाल, भूतकाल और भविष्यकाल को उदाहरणों द्‌वारा समझाएँ । विद्‌यार्थियों को बंधुता, समता संबंधी कहानियाँ सुनाएँ ।